

स्पीड न्यूज

नयी तकनीक युक्त खुला शानदार बृती

पार्लर : प्रथम महापौर

मेदिनीनगर। प्रथम महापौर अशोक शंकर ने जरक परिवार द्वारा शानदार बृती पार्लर, जय भवनी सभा भवन के समीप उद्घाटन किया। कपी पार्लर प्रमाण महापौर ने कहा कि अब हमारे शहर में भी अच्छे अच्छे राहत खुलने चाहे हैं। जहां बढ़े शहरों के तर्फ पर नई तकनीकों के साथ लकड़ियों के लिए सुविधात जगत की सुविधाएं उपलब्ध हैं जिससे स्किन रिप्रिंटिंग से बचा जा सकता है। इसी की मौते आज यह परान का खुलना अच्छे होल है। लगन के समय में यारे राहत खुलने चाहे हैं। जहां बढ़े शहरों के तर्फ पर नई तकनीकों के साथ लकड़ियों के प्रति आधारित उपलब्ध हैं जिससे स्किन रिप्रिंटिंग से बचा जा सकता है।

मृतक के परिजनों से मिले पांकी विधायक, सहयोग का दिया भरोसा

तरहसी पलामू। पांकी विधानसभा क्षेत्र अंग्रेज

प्रखण्ड तरहसी के ग्राम भिरिपरारा निवासी कृष्णा यादव के छोड़े पुत्र सूरेत कुमार उम्र 22 वर्ष पिछ्ले साल सड़क दुर्घटना में

इलाज में दरान कल रात राती रिसा अस्पताल में उनकी मृत्यु हो गई थी। जानवारी की जानकारी मिलने पर पांकी विधायक कुशवाहा डॉ शशीभूषण मेहता मृतक परिवार के पर पर पूछकर इस दुख की बड़ी मौत दाढ़िया व सालाना दिया। सभी परिवार जगन बढ़े थे। मौत पहली मौत कर रहे थे। विधायक ने परिजनों को हर संभव मद्दत और सकारी ताप दिया। साथ ही इस घटना पर दुख बोल किया है।

बृद्धीमण्ड इंस्टर्नेशनल स्कूल चेड़ावार में

मनाया गया चौथा वार्षिक उत्सव

वैनपुर पलामू। प्रखण्ड

अंतर्गत चेड़ावार खिंचित शुभेश्वर द्वारे में अपना वीथी वार्षिक उत्सव गया।

मौके पर मुख्य

अतिथि पलामू जिला सीआरपीएफ के पुलिस उप निरीक्षक पंकज कुमार शामिल थे। उन्होंने दोपहर प्रज्ञालिक कर कार्यक्रम की शुरूआत की। उन्होंने छात्रों की हाँसी से अपूर्वान्वय करते हुए कहा कि छात्र उच्च अंक लाने के लिए फारस रिंडिंग, फारस रिंडिंग एवं फारस कैलेक्युलेटिंग पर ध्यान दे। कार्यक्रम में छोड़े छोड़े छात्रों ने नुस्खा, नीली पार एवं फारस कैलेक्युलेटिंग पर ध्यान दे। कार्यक्रम के अंत लाने के लिए फारस रिंडिंग, फारस रिंडिंग एवं फारस कैलेक्युलेटिंग पर ध्यान दे। विद्यालय के निवेदित अंक दुखी ने कहा कि हमारा प्रयास है कि हम ग्रामीण क्षेत्र में भी शहरी परिवारों की शिक्षा दी जाए। विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों के सार्वजनिक विकास के लिए अनेक प्रकार के प्रतीकात्मक कार्यक्रम और लैकड़ी का आयोजन किया जाता है। प्रार्थना विवेक ने कहा कि विद्यालय में प्रशिक्षित शिक्षकों के द्वारा छात्रों की शिक्षा दी जाती है ताकि छात्रों का वहुमुखी विकास हो सके। कार्यक्रम में पठना से आए जादूपर पीके से दोहरा शुभर नाम रखने के लिए भी प्रयास हो रहा है। विद्यालय के निवेदित अंक दुखी ने कहा कि भूमिका प्रयास है कि इस घटना पर दुख बोल किया है।

28 कविस्तानों की घोरावंदी का कार्य प्रगति

पर, 20 कविस्तानों की मिली स्वीकृति

हुसैनाबाद पालमू।

विद्यालय में घोरावंदी की व्यक्तिगत कल्याण विभाग से बोली है। इस घोरावंदी में

विद्यालय में घोरावंदी की क्षमता के बारे में विवाद हो रहा है।

विद्यालय में घोरावंदी की क्षमता के बारे में विवाद हो रहा है।

विद्यालय में घोरावंदी की क्षमता के बारे में विवाद हो रहा है।

विद्यालय में घोरावंदी की क्षमता के बारे में विवाद हो रहा है।

विद्यालय में घोरावंदी की क्षमता के बारे में विवाद हो रहा है।

विद्यालय में घोरावंदी की क्षमता के बारे में विवाद हो रहा है।

विद्यालय में घोरावंदी की क्षमता के बारे में विवाद हो रहा है।

विद्यालय में घोरावंदी की क्षमता के बारे में विवाद हो रहा है।

विद्यालय में घोरावंदी की क्षमता के बारे में विवाद हो रहा है।

विद्यालय में घोरावंदी की क्षमता के बारे में विवाद हो रहा है।

विद्यालय में घोरावंदी की क्षमता के बारे में विवाद हो रहा है।

विद्यालय में घोरावंदी की क्षमता के बारे में विवाद हो रहा है।

विद्यालय में घोरावंदी की क्षमता के बारे में विवाद हो रहा है।

विद्यालय में घोरावंदी की क्षमता के बारे में विवाद हो रहा है।

विद्यालय में घोरावंदी की क्षमता के बारे में विवाद हो रहा है।

विद्यालय में घोरावंदी की क्षमता के बारे में विवाद हो रहा है।

विद्यालय में घोरावंदी की क्षमता के बारे में विवाद हो रहा है।

विद्यालय में घोरावंदी की क्षमता के बारे में विवाद हो रहा है।

विद्यालय में घोरावंदी की क्षमता के बारे में विवाद हो रहा है।

विद्यालय में घोरावंदी की क्षमता के बारे में विवाद हो रहा है।

विद्यालय में घोरावंदी की क्षमता के बारे में विवाद हो रहा है।

विद्यालय में घोरावंदी की क्षमता के बारे में विवाद हो रहा है।

विद्यालय में घोरावंदी की क्षमता के बारे में विवाद हो रहा है।

विद्यालय में घोरावंदी की क्षमता के बारे में विवाद हो रहा है।

विद्यालय में घोरावंदी की क्षमता के बारे में विवाद हो रहा है।

विद्यालय में घोरावंदी की क्षमता के बारे में विवाद हो रहा है।

विद्यालय में घोरावंदी की क्षमता के बारे में विवाद हो रहा है।

विद्यालय में घोरावंदी की क्षमता के बारे में विवाद हो रहा है।

विद्यालय में घोरावंदी की क्षमता के बारे में विवाद हो रहा है।

विद्यालय में घोरावंदी की क्षमता के बारे में विवाद हो रहा है।

विद्यालय में घोरावंदी की क्षमता के बारे में विवाद हो रहा है।

विद्यालय में घोरावंदी की क्षमता के बारे में विवाद हो रहा है।

विद्यालय में घोरावंदी की क्षमता के बारे में विवाद हो रहा है।

विद्यालय में घोरावंदी की क्षमता के बारे में विवाद हो रहा है।

विद्यालय में घोरावंदी की क्षमता के बारे में विवाद हो रहा है।

विद्यालय में घोरावंदी की क्षमता के बारे में विवाद हो रहा है।

विद्यालय में घोरावंदी की क्षमता के बारे में विवाद हो रहा है।

विद्यालय में घोरावंदी की क्षमता के बारे में विवाद हो रहा है।

विद्यालय में घोरावंदी की क्षमता के बारे में विवाद हो रहा है।

विद्यालय में घोरावंदी की क्षमता के बारे में विवाद हो रहा है।

विद्यालय में घोरावंदी की क्षमता के बारे में विवाद हो रहा है।

विद्यालय में घोरावंदी की क्षमता के बारे में विवाद हो रहा है।

विद्यालय में घोरावंदी की क्षमता के बारे में विवाद हो रहा है।

विद्यालय में घोरावंदी की क्षमता के बारे में विवाद हो रहा है।

विद्यालय में घोरावंदी की क्षमता के बारे में विवाद हो रहा है।

विद्यालय में घोरावंदी की क्षमता के बारे में विवाद हो रहा है।

विद्यालय में घोरावंदी की क्षमता के बारे में विवाद हो रहा है।

विद्यालय में घोरावंदी की क्षमता के बारे में विवाद हो रहा है।

विद्यालय में घोरावंदी की क्षमता के बारे में विवाद हो रहा है।

विद्यालय में घोरावंदी की क्षमता के बारे में विवाद हो रहा है।

विद्यालय में घोरावंदी की क्षमता के बारे में विवाद हो रहा है।

विद्यालय में घोरावंदी की क्षमता के बारे में विवाद हो रहा है।

विद्यालय में घोरावंदी की क्षमता के बारे में विवाद हो रहा है।

विद्यालय में घोरावंदी की क्षमता के बारे में विवाद हो रहा है।

विद्यालय में घोरावंदी की क्षमता के बारे में विवाद हो रहा है।

विद्यालय में घोरावंदी की क्षमता के बारे में विवाद हो रहा है।

विद्यालय में घोरावंदी की क्षमता के बारे में विवाद हो रहा ह



स्पीड न्यूज

दीपावली के अवसर पर गुरुनानक पालिक स्कूल नें रंगोली प्रतियोगिता

रामगढ़। श्री गुरु नानक पालिक स्कूल में शनिवार को इस वर्ष भी दीपावली को लेकर छात्रों के बीच रंगोली और सजावट प्रतियोगिता हुआ। बच्चों ने रंगोली, दीया सजावट, टोपी और रंग बिरंगी काढ़ भी बनाएं।

प्रतियोगिता में कक्ष 3 से लेकर 12वीं तक के बच्चे शामिल हुए। बच्चों ने तह-तह की रंगोली बाई-कार्ड बनाया, तोरण बनाया और मिट्टि के दीयों को सजाया और एक अलग ही रूप उसे दिया। ऐसा लग रहा था की न जाने कितनी कलाकृतियां उनके अंदर समाप्त हैं। भारतीय मन्त्रालयों के अनुसार लोग रंग में दीवी देवताओं के ख्यात के लिए रंगोली बनाते हैं एवं रंग को रोशनियों से जगमगाते हैं। विद्यालय के प्राचार्य हजारीपाल सिंह ने कहा कि रंगोली शब्द प्राचीन विद्योग्य से संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ रंगों के जारी भाव के दर्शन होता है। प्राचार्य ने कहा कि पदार्थ के साथ-साथ हमारी संस्कृति, हमारी सभ्यता के बारे में भी जानना बच्चों के लिए बहुत जरूरी है। बच्चे जानेंगे तो ही इनके महत्व को समझ पाएंगे।

डीएवी स्कूल नें बच्चों ने निकाली ज्ञानी



राजस्थान। राजस्थान प्रोजेक्ट स्थित डीएवी स्कूल में दीपावली पर बच्चों ने भगवन श्री राम के जीवन पर अधिरात्र नाटकों प्रस्तुत की। बालक बालिकाओं ने छठ पर्व की झाँकी निकालतकर इस महान ब्रत की जीवन बना दिया। बच्चों की वेशभूषा अत्यंत आकर्षक लग रही थी। छठ ब्रत के नियमानुसार तीन दिनों तक ब्रतने वाले कठिन ब्रत की सारी प्रक्रियाएँ छठ गीत के साथ बच्चों ने पूरी की। ऐसा लग रहा था माने किसी नहीं- सरोवर के फिराने छठ ग्रात्याः को पूजा पाठ करते देख रहे हैं। बच्चों द्वारा दोनों प्रस्तुति ने सबको भाव विभार कर दिया। विद्यालय प्राचार्य एवं शिक्षकों द्वारा 14 नवंबर की जगह 10 नवंबर को ही बच्चों को बाल दिवस की अधिक शुभकामनाएँ दी गईं।

सभी गार्डों ने चला सफाई अभियान



रामगढ़। शहर के वार्ड नंबर 2 सहित सभी 8 वार्डों में दीपावली की धूम में रखकर छात्रनी परिषद द्वारा शनिवार को सफाई अभियान लालाया गया। इस मौके पर एक छानी परिषद की इनिशियाटिव ने वार्ड नंबर 2 के सभी गल्ली मूहल्लों में जमा करों को वाहन के माध्यम से हटाया। वही, दीपावली पर छात्रनी परिषद की इस पहल की वार्ड नंबर 2 सहित सभी शहर वासियों ने सराहना की है। लोगों ने कहा की दीपावली पर इस पहल के लिए छात्रनी परिषद के अधिकारी और कर्मी प्रशंसा के पत्र हैं।

बीड़ीओं ने किया सड़क का शिलान्यास



राजस्थान। चित्ररुरु प्रखण्ड क्षेत्र के बड़कापीना पंचायत में 15वें वित अयोग मद अंतर्गत कल्याण टोला में पीपीसी पथ निर्माण का शिलान्यास बीड़ीओं ज्ञानमीनी एकत्र एवं मुखिया अरविंद कुमार सिंह ने सुयुक रूप से विधित पूजा अर्घना व नारियल फोड़कर किया। मुखिया ने कहा कि यह सड़क 15वें वित अयोग से राशि के अंतर्गत निर्माण की जाएगी। इसकी लागत लगभग दो लाख 19 हजार 500 रुपए होगी। सड़क सेवालाल महतो के घर से चेतन महतो के घर तक निर्माण की जाएगी। बीड़ीओं ने कहा कि गांव की सड़क निर्माण से गांव की विकास होता है। उन्होंने कहा कि इस सड़क निर्माण को लेकर सरकार इस स्थान में रहने वाले ग्रामीणों से सहमति ली गई। मुखिया ने कहा कि पंचायत क्षेत्र की जो भी समस्या जैसे बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य, पानी, सड़क इन सभी समस्याएं के लिए प्रयासरत रहा हूं और आगे भी रहगा। ग्रामीणों ने पंचायत के मुखिया श्री सिंह का सड़क निर्माण को लेकर धन्यवाद किया।

नुख्यानंत्री पशुधन को लेकर बैठक

रामगढ़। मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत शनिवार को उपायुक्त कुमार गढ़ वंदन कुमार की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थानिक में जिला तस्वीरी समिति की बैठक हुई। जिला पशुपालन पदाधिकारी कम्प्रेशन कुमार ने बताया कि वर्षमान में मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत प्रखण्ड स्तरीय समिति द्वारा बकरा के बड़कापीना पंचायत में 15वें वित अयोग मद अंतर्गत कल्याण टोला में पीपीसी पथ निर्माण का शिलान्यास बीड़ीओं ज्ञानमीनी एकत्र एवं मुखिया अरविंद कुमार सिंह ने सुयुक रूप से विधित पूजा अर्घना व नारियल फोड़कर किया। मुखिया ने कहा कि यह सड़क 15वें वित अयोग से राशि के अंतर्गत निर्माण की जाएगी। इसकी लागत लगभग दो लाख 19 हजार 500 रुपए होगी। सड़क सेवालाल महतो के घर से चेतन महतो के घर तक निर्माण की जाएगी। बीड़ीओं ने कहा कि गांव की सड़क निर्माण से गांव की विकास होता है। उन्होंने कहा कि इस सड़क निर्माण को लेकर सरकार इस स्थान में रहने वाले ग्रामीणों से सहमति ली गई। मुखिया ने कहा कि पंचायत क्षेत्र की जो भी समस्या जैसे बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य, पानी, सड़क इन सभी समस्याएं के लिए प्रयासरत रहा हूं और अपने परिवार वालों का नाम रोशन किया है।

बरकट्टा डिवाइन पालिक स्कूल नें रंगोली व दीप सज्जा प्रतियोगिता

बरकट्टा। गंगावारा स्थित डिवाइन पालिक स्कूल (डीपीएस) में दीपावली के अवसर पर रंगोली व दीप सज्जा प्रतियोगिता का आयोजन शनिवार को किया गया। छात्रों ने आंतर्गत रंगोली निर्माण और दीप सज्जा किया।

प्रतियोगिता का शुभारंभ स्कूल निर्देशक रामगढ़ प्रसाद भारती और प्राचार्य स्थानी ने सुयुक रूप से किया। इस मौके पर निवेशक ने कहा कि शिक्षा के साथ साथ रंगोली समें अन्य तरह की प्रतियोगिता बच्चों में छिपी प्रतिभाओं को निखारने का अवसर देता है। प्राचार्य स्थानी ने कहा कि दीपावली त्योहार रोशनी और स्वरूपना का प्रत्यक्ष है। सुख, शांति और ऐर्खर्य के प्रतीक रंग बिरंगे रंगोली से सज्जा कर ही दिवाली मनाइ जाती है। बच्चों ने दिवाली पर पठाये नहीं जलाने का शपथ लिया। छात्रों ने रोली, मौली, गुलाल, फूल, स्पार्कल, दीप, बुदाद, चालां, आटा का उत्तरांग कर आकर्षक रंगोली बनायी। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले मेघांशु छात्रों को अपराधी-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया।

जनसेवा में जुटे जायसवाल

उदयपुर विधायक मनीष जायसवाल ने छठ महावतियों को दिया साड़ी।

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग। शनिवार को छठीसगढ़ प्रवास से लौटते ही हजारीबाग सदर विधायक मनीष जायसवाल ने हजारीबाग नगर निगम क्षेत्र और सदर प्रखण्ड क्षेत्र के विभिन्न गांवों से छठ महावतियों के बीच पूजन साड़ी वितरण किया। इस दौरान पूजन साड़ी वितरण करने की रोगी शब्दालाल शब्द है। विद्यालय के प्राचार्य हजारीबाग से काठे वितरण किया। उन्होंने अपने इस अभियान की शुरुआत दृष्टिकोण से संस्कृति, हमारी सभ्यता के बारे में भी जानना बच्चों के लिए बहुत जरूरी है। बच्चे जानेंगे तो ही इनके महत्व को समझ पाएंगे।



वितरण कर की। जिसके बाद ग्राम साड़ी घेट किया गया। जायसवाल ने पंचायत मंड़ि खुर्द स्थित कुशवाहा ब्रह्मवत भवन सभागृह में 118 महावतियों प्रवास किया है की महावत छठ के अवसर पर क्षेत्र के जरूरतमंड छठ महावतियों को नवीन साड़ी पूजन हेतु प्रदान किया। तत्काल ब्रह्मवत ब्रह्मवती भवन में घर घर पहुंचकर और डम्प चौक में वितरण शिविर लगाकर कीरीब छठी घोड़े में वितरण किया। यह उत्तीर्ण का एक छोटा सा प्रयास है। मौके पर सैकड़ों लोग मौजूद थे।

अबुआ आवास को ले डीसी ने की बैठक, दिये कई निर्देश

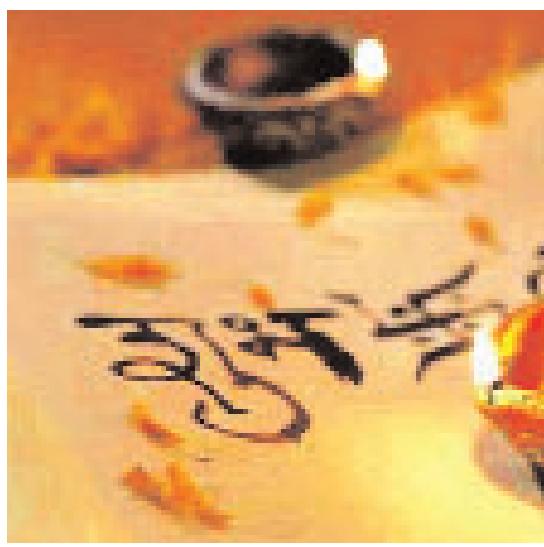


रामगढ़। समाहरणालय सभाकाश में दीपावली आवास योजना की अंधवक्ष की अवधिकारी वितरण के बाद आवास योजना को लेकर बैठक हुई। उप विकास अमृत रोविन निर्गम क्षेत्र के बाद ग्राम साड़ी पूजन साड़ी 01 वितरण करने की बीच पूजन साड़ी घोड़े में वितरण किया। इस दौरान पूजन साड़ी घोड़े में वितरण किया। यह उत्तीर्ण का एक छोटा सा प्रयास है। मौके पर सैकड़ों लोग मौजूद थे।

अवेडकर फुटबॉल टूर्नामेंट संपन्न

कटकमसांडी। पंचायत लुपुंग के अंतर्गत असधिर में सुर्यो बलवट की ओर से उपायुक्त आयोजन किया गया था। इस टूर्नामें से प्रखण्ड कटकमसांडी के अधिकारी दर्जन ने अधिकारी गांव में शामिल हुई थी।

जानें किस दीये को जलाने से
शनिदेव समेत 9 ग्रह होंगे प्रसन्न



दीपावली दीयों का महापर्व है। इस पावन पर्व पर रुठे ग्रहों को सिर्फ मंत्रों से ही नहीं बल्कि दीये से भी माता सकते हैं। कुँडली में उनके दोष को दूर करके उनकी शुभता प्राप्त कर सकते हैं। अहं जानते हैं कि इस ग्रह के लिए कौन सा दीया जलाया जाए -

सूर्य - यदि आपकी राशि में सूर्य कमजोर है, तो सूर्य को प्रसन्न कर सकारात्मक रूप से बली करने के लिए आटो का दीया प्रज्ज्वलित करना चाहिए। आटो का दीपक बनाकर, उसके चारों ओर खाने लपेटकर, उसमें शुद्ध धी डालकर दीप प्रज्ज्वलित करना चाहिए। तांबे का दीप प्रज्ज्वलित करने से भी सूर्यदेव प्रसन्न होते हैं।

चन्द्रमा - कुँडली में यदि चंद्र नीचे अवस्था में है और आप के लिए अशुभ है, तो उसे शुभ करने हेतु चांदी के दीपक में दीप प्रज्ज्वलित करना चाहिए। इससे चंद्र बलिष्ठ होता है और शुभ फलदायी होता है।

मंगल - मंगल ग्रह की शांति हेतु जातक को चुंकर कर दीपक के आकर में काट कर उसमें शुद्ध धी की बती जलाने से मंगल सकारात्मक रूप से बलिष्ठ होता है। तांबे का दीप प्रज्ज्वलित करने से भी मंगल ग्रह

शांत होता है।

बुध - जातक की कुँडली में बुध यदि शुभ नहीं है और हानि पहुंचा रहा है, तो जातक बुध को शुभ करने हेतु मिट्टी के दीपक में गाय की धी डालकर प्रज्ज्वलित करे। ऐसा करने से बुध ग्रह की शुभता प्रसिद्ध होती है और वह भास्त्र के लिए कौटुम्बिक रूप से बलिष्ठ होता है।

केतु - केतु ग्रह की शांति के लिए आपके जातक को आकर में चुंकर कर दीपक के आकर के लिए यज्ञित्र धातु का दीप शुद्ध धी से प्रज्ज्वलित करना चाहिए।

मरु - ग्रह नीचे अवस्था में है और उनका दीपक के लिए अपाकरण करने से भी मरु ग्रह

शांत होता है।

शनि - शनिदेव जो कि न्यायाधीश है, यदि यह नकारात्मक रूप से सक्रिय है, तो उन्हें बती बनाने हेतु जातक को लोहे से बने दीपक में शुद्ध सरसों का तेल डालकर प्रज्ज्वलित करना चाहिए। इससे शनि देव प्रसन्न होते हैं और जातक को शुभ फल देते हैं।

राहु - राहु ग्रह की शांति के लिए यज्ञित्र धातु के दीपक के लिए दीपक में रसरों का तेल डालकर प्रज्ज्वलित करना चाहिए।

गुरु - गुरु यदि नीचे अवस्था में है और उनका दीपक के लिए अपाकरण करने से मस्तिष्क को नाश होता है।

शुभ - जातक की कुँडली में शुभ नहीं है और हानि पहुंचा रहा है, तो जातक बुध को शुभ करने हेतु मिट्टी के

दीपक में गाय की धी डालकर प्रज्ज्वलित करे। ऐसा करने से बुध ग्रह की शुभता प्रसिद्ध होती है और वह भास्त्र के लिए कौटुम्बिक रूप से बलिष्ठ होता है।

ज्येष्ठ - ज्येष्ठ नीचे अवस्था में है और उनका दीपक के लिए अपाकरण करने से व्यापार में लाभ प्राप्त होगा।

वृश्चिक - वृश्चिक नीचे अवस्था में है और उसके प्रभाव को

सक्रिय है, तो उसके प्रभाव को

उल्लू देखना शुभ है



हिन्दू धर्म में दिवाली सबसे बड़ा त्योहार है। ऐसी मान्यता है कि साल के इस दिन यानि कार्तिक अमावस्या पर माता लक्ष्मी घर आती है। इसी वजह से स्वागत के लिए महीने भर पहले से ही घरों में तैयारियां शुरू हो जाती हैं। लोग अपने घरों की विशेष रूप से साफ-सफाई और सजावट करते हैं। दीपावली को लेकर कुछ मात्रातांत्र प्रचलित है और ऐसा कहा जाता है कि दिवाली की रात जब माता लक्ष्मी का घर पर आगमन होता है तो व्यक्ति को कुछ संकेत भी मिलते हैं। जिसे बहुत ही शुभ माना जाता है। दीपावली की रात इन संकेतों के दिखने पर घर पर कभी भी आने वाले समय में पैसों को काढ़ करना चाहिए। अगर आपको उल्लू दिखे तो समझ जाएं कि आपको किस्मत चमकने वाली है। उल्लू माता लक्ष्मी का वाहन माना जाता है। ऐसे में उल्लू का स्त्रिया शुभ संकेत है।

दीपावली वाले दिन अगर बिल्ली घर में रखा दूध पी जाएं तो इसे शुभ संकेत माना जाता है। यह संकेत खुशाली का संकेत है और माता लक्ष्मी साल भर आपके ऊपर कृपा वरसाने वाली है। दीपावली की रात को छढ़ून्दर का दिखना शुभ माना जाता है। अगर आपको लालू दिखता है तो उसको किस्मत चमकने वाली है। उल्लू माता लक्ष्मी का वाहन माना जाता है।

दीपावली की रात को छढ़ून्दर का दिखने का मतलब है कि आप के ऊपर माता लक्ष्मी की कृपा होने वाली है।

सरल पूजा विधान से खुश होंगी लक्ष्मी

दीप पावली हिंदू धर्म सर्वाधिक महत्वपूर्ण धार्मिक पर्व है। दीपावली की उत्तरि 2 शब्दों से मिलकर हुई है दीप+आवली=दीपावली। दीप का मतलब दीपा और आवली का मतलब श्रृंखला है। इस पर्व को प्रकाश उत्सव पर्व भी कहा जाता है। दीपावली की शाम को यानि प्रदोषकाल के शुभ मुहूर्त में माता लक्ष्मी, भगवान गणेश के साथ माता सरस्वती, धन के देवता कुबेर और मातों की पूजा होती है। दिवाली की रात में पूजा में कोई कमी न रह जाए, इसके लिए हम आपको पूजा की सरल और आसान विधि बता रहे हैं।

कैसे करें पूजा?

■ स्नान करके पवित्र आसन पर बैठकर आचमन करें। पिंजर गणेशजी का स्परण कर, अपने दाहिने हाथ में गन्ध, अक्षत, पुष्प, दुर्वा, धन और जल आदि लेकर दीपावली महोत्सव के निमित्त गणेश, अम्बिका, महालक्ष्मी, महासरसवती, महाकाली, कुबेर आदि देवी-देवताओं के पूजनार्थ संकल्प करें। संकल्प मंत्र को बोलते हुए संकल्प कीजिए, 'मैं अमृक व्यक्ति अमृक स्थान और समय पर अमृक देवी-देवता की पूजा करने जा रहा हूं जिससे मुझे शाश्वत फल प्राप्त हो'।

■ सबसे पहले गणेश जी और गौरी का पूजन करिए। फिर कलश स्थान, घोड़शमारुपा पूजन और नवग्रह पूजन करके महालक्ष्मी आदि देवी-देवताओं का पूजन करें। हाथ में गोड़ा-धोड़ा-स जल ले लें और भगवान का स्मरण करते हुए पूजा करना चाहिए।

■ जहां पर नवग्रह वंत्र बनाया गया है, वहां पर रुपया, सोना या चांदी का सिक्का, लक्ष्मी जी की मूर्ति या मिट्टी के बने हुए लक्ष्मी-गणेश, सरस्वती की मूर्तियां सजायें। उसमें कुछ अक्षत और पुण्य डालें, गाय के धी चार मुखी दीपक चलायें और माता लक्ष्मी की शंख, घंटी, डमरु आदि से अरती उतारें। दीपावली की रात कर लें यह उपाय, पूरे साल रहेंगी महालक्ष्मी की कृपा



- इसके ही दाहिने और एक पंचमुखी दीपक अवश्य जलायें, जिसमें धी या तिल का तेल प्रयोग किया जाता है। ■ दीपावली का विधिवत-पूजन करने के बाद धी की आरती की जाती है। आरती के लिए एक थाली में रोली से स्वास्तिक करना चाहिए।

■ जहां पर नवग्रह वंत्र बनाया गया है, वहां पर रुपया, सोना या चांदी का सिक्का, लक्ष्मी जी की मूर्ति या मिट्टी के बने हुए लक्ष्मी-गणेश, सरस्वती की मूर्तियां सजायें। उसमें कुछ अक्षत और पुण्य डालें, गाय के धी चार मुखी दीपक चलायें और माता लक्ष्मी की शंख, घंटी, डमरु आदि से अरती उतारें। दीपावली की रात कर लें यह उपाय, पूरे साल रहेंगी महालक्ष्मी की कृपा

देवताओं और मनुष्यों का उत्सव माह दीपावली



देवताओं और मनुष्यों का उत्सव माह कार्तिक त्योहार का बहीना है। साल भर में सबसे ज्यादा त्योहार इसी महीने में आते हैं। इनके लिए पूर्णिमा त्योहारों में धनवतेस या धनवती जयंती, श्री हनुमन जयंती, नरक चांद्र, छोटी दीपावली, महालक्ष्मी पूजन, अन्नकृत महोत्सव, गोवर्धन पूजा, भारद्वाज, विश्वकर्मा जयंती, पश्ची व्रत, अक्षत नवमी, देवोत्थान एकादशी तथा अमृतवंतरि देवताओं के लिए यह उपर्युक्त धार्मिक व्रत होते हैं।

■ इंश्वर प्रदत्त है, वह सूक्ष्म मन, बुद्धि और अहंभाव का क्या त्याग करें। देव दिवाली की कार्तिक मास की पूर्णिमा को देव दिवाली और माता लक्ष्मी की आरती उतारी, इसलिए यहां दीपावली के द्वारा देवताओं को ही देवोत्थान एकादशी अथवा देवउतारण एकादशी की पूर्णिमा का विवाह का दिन होता है। इस दिन तुलसी ने त्रिपुरारी नामक राक्षस का संहार किया। अपर्युक्त धार्मिक व्रतों में देव दिवाली के द्वारा देवताओं को उतारने के लिए यह उपर्युक्त धार्मिक व्रत होता है।

■ इंश्वर प्रदत्त है, वह सूक्ष्म मन, बुद्धि और अहंभाव का क्या त्याग करें। देव दिवाली की कार्तिक मास की पूर्णिमा को देव दिवाली और माता लक्ष्मी की आरती उतारी, इसलिए यहां दीपावली के द्वारा देवताओं को ही देवोत्थान एकादशी अथवा देवउतारण एकादशी की पूर्णिमा का विवाह का दिन होता है। इस दिन त्रिपुरारी नामक राक्ष